M. A (PREVIOUS) EXAMINATION, 2024

SANSKRIT

LIBRARY COPY

Paper – III (SKT- 403)

लौकिक काव्य, नाटक एवं साहित्य शास्त्र

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

Part B

The candidate will have to solve any 3 questions out of 5 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) (5 x 10 = 50)

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) (2 x 15 = 30)

1. निम्नलिखित सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

इकाई-I

(1) "स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विभ्रमो हि प्रियेषु" उक्ति का अभिप्राय स्पष्ट कीजिये।

(2) अलका नगरी मेंम यक्ष की गृह स्थिति क वर्णन कीजिये।

इकाई-II

(3) "कर्ता वा नाटकानामिममनुभवति क्लेशमस्मद्विधो वा" कथन किसका है? और क्या भाव है?

(4) मुद्राराक्षस नाटक के नामकरण को स्पष्ट कीजिये।

इकाई-III

(5) साहित्यदर्पण में वर्णित काव्य-फल प्रतिपादित कीजिये।

(6)वाक्य का स्वरूप संक्षेप में प्रतिपादित कीजिये।

इकाई - IV

(7) ध्वन्यालोक ग्रन्थ का मङ्गलाचरण लिखिये।

(8) काव्य के प्रतीयमानार्थ का लक्षण लिखिये।

इकाई V

(9) नाट्यशास्त्र के प्रथमाध्याय का क्या नाम है? इस अध्याय की वर्णित विषय - वस्तु बताईये।

(10) नाट्यमण्डप के तीन प्रकार, तीन प्रमाणों को लिखिये।

खण्ड-ब

इकाई- I

2. सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिये :

त्वामासारप्रशमितवनोपप्लवं साधु मूर्ध्ना
वक्ष्यत्यध्वश्रमपरिगतं सानुमानाम्रकूटः।
न क्षुद्रोऽपि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय
प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः किं पुनर्यस्तथोच्चैः।।

अथवा

एभिः साधो हृदयनिहितैर्लक्षणैर्लक्षयेथा
द्वारोपान्ते लिखितवपुषौ शङ्खपद्मौ च दृष्ट्वा।
क्षामच्छायं भवनमधुना मद्वियोगेन नूनं
सूर्यापाये न खलु कमलं पुष्यति स्वामभिख्याम्॥

इकाई-II

3. सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिये :

साध्ये निश्चितमन्वयेन घटितं बिभ्रत्सपक्षे स्थितिं
व्यावृत्तं च विपक्षतो भवति यत् तत् साधनं सिद्धये।
यत्साध्यं स्वयमेव तुल्यमुभयोः पक्षे विरुद्धं च यत्
तस्याङ्गीकरणेन वादिन इव स्यात् स्वामिनो निग्रहः॥

अथवा

विपर्यस्तं सौधं कुलमिव महारम्भरचनं
सरः शुष्कं साधोर्हृदयमिव नाशेन सुहृदः।
फलैर्हीना वृक्षा विगुणविधियोगादिव नया-
स्तृणैश्छन्ना भूमिर्मतिरिव कुनीत्या ह्यविदुषः॥

इकाई-III

4. सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिये :

मुख्यार्थबाधे तद्युक्तो ययान्योऽर्थः प्रतीयते।
रूढेः प्रयोजनाद्वाऽसौ लक्षणा शक्तिरर्पिता॥

अथवा

विभावेनानुभावेन व्यक्तः सञ्चारिणा तथा।
रसतामेति रत्यादिः स्थायीभावः सचेतसाम्

इकाई - IV

5. सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिये :

काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति बुधैर्यः समाम्नातपूर्व-
स्तस्याभावं जगदुरपरे भाक्तमाहुस्तमन्ये॥

अथवा

सोऽर्थस्तद्-व्यक्तिसामर्थ्ययोगी शब्दश्च कश्चन।
यत्नतः प्रत्यभिज्ञेयौ तौ शब्दार्थौ महाकवेः॥

इकाई V

6. सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिये :

एवं विघ्नविनाशाय स्थापिता जर्जरे सुराः।
रङ्गपीठस्य मध्ये तु स्वयं ब्रह्मा प्रतिष्ठितः॥

अथवा

समन्ततस्तु कर्तव्या हस्ता द्वात्रिंशदेव तु।
शुभभूमिविभागस्थो नाट्यज्ञैर्नाट्यमण्डपः॥

खण्ड-स

7.मेघदूत काव्य में प्रकृति-चित्रण निरूपित कीजिये।

अथवा

मुद्राराक्षस नाटक में विशाखदत्त का नाट्यकौशल वर्णित कीजिये।

8. आचार्य विश्वनाथ के अनुसार काव्य लक्षण प्रतिपादित करते हुये अन्य लक्षणों का खण्डन कीजिये।

अथवा

रङ्गपूजा की आवश्यकता निरूपित करते हुये मत्तवारणी, रङ्गपीठ, रङ्गशीर्ष - इन तीनों की सश्लोक व्याख्या कीजिये।

M. A (PREVIOUS) EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

SANSKRIT

Paper – II (SKT/402)

भारतीय दर्शन

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

Q.1 किं नाम कारणम्? कारणं कतिविधं भवति। प्रत्येकं कारणस्य नाम लिखत।

Q.2 अनुमानप्रमाणस्य परिचयं लिखत।

Q.3 उपमानप्रमाणं स्वशब्देषु वर्णयत।

Q.4 चतुर्थं प्रमाणं किं भवति। तस्य लक्षणादिकं स्वशब्देषु वर्णयत।

Q.5 अभावप्रमाणं सोदाहरणं विवृणुत।

Q.6 किं नाम प्रामाण्यवादः।

Q.7 साङ्ख्यतत्त्वानां विवेचिकां कारिकां लिखत।

Q.8 हेतुमदनित्यमव्यापि........ इति कारिकां पूरयत।

Q.9 सृष्टिक्रमप्रतिपादिकां कारिकां लिखत।

Q.10 पूर्वोत्पन्नमसक्तं........ इति कारिकां पूरयत।

Q.11 प्रत्ययसर्गस्य 50 भेदानां प्रतिपादिकां कारिकां लिखत।

Q.12 सिद्धयः कति सन्ति? काः च ताः सन्ति।

Q.13 वेदान्तसारस्य अनुबन्धचतुष्टयं लिखत।

Q.14 वेदान्तसारानुसारम् अज्ञानं नाम किम्?

Q.15 ब्रह्मजिज्ञासायाः साधनचतुष्टयं लिखत।

Part B

The candidate will have to solve any 5 questions out of 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) (5 x 10 = 50)

Q.1 तर्कभाषानुसारं कारणं भेदसहितं सोदाहरणं च लिखत

Q.2 तर्कभाषानुसारं प्रत्यक्षं साङ्गोपाङ्गं विवेचयत।

Q.3 शब्दप्रमाणं सविस्तरं विवेचयत।

Q.4 अर्थापत्तिं स्वशब्देषु वर्णयत।

Q.5 प्रतिविषयाध्यवसायो दृष्टं त्रिविधमनुमानमाख्यातम्।
तल्लिङ्गलिङ्गिपूर्वकमाप्तश्रुतिराप्तवचनन्तु॥

कारिकामिमां विवेचयत।

Q.6 सत्त्वं लघु प्रकाशकमिष्टमुपष्टम्भकं चलं च रजः ।
गुरुवरणकमेव तमः, प्रदीपवच्चार्थतो वृत्तिः ।।

कारिकामिमां विवेचयत।

Q.7 आध्यात्मिक्यश्चतस्रः प्रकृत्युपादानकालभाग्याख्याः ।
बाह्या विषयोपरमात् पञ्च नव च तुष्टयोऽभिहिताः ।।

कारिकामिमां विवेचयत।

Q.8 रङ्गस्य दर्शयित्वा निवर्तते नर्तकी यथा नृत्यात् ।
पुरुषस्य तथाऽऽत्मानं प्रकाश्य विनिवर्तते प्रकृतिः । ।

कारिकामिमां विवेचयत।

Q.9 वेदान्तसारमनुसृत्य लिङ्गशरीरोत्पत्तिं सविस्तरं विवृणुत।

Q.10 पञ्चीकरणप्रक्रियां निरूपयत।

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) (2 x 15 = 30)

Q.1 तर्कभाषानुसारं प्रमाणचतुष्टयं स्वशब्देषु लिखत।

Q.2 प्रामाण्यवादं स्वशब्देषु विवृणुत।

Q.3 सांख्यकारिकामनुसृत्य प्रकृतेः पुरुषस्य च समालोचनात्मकं विवेचनं लिखत।

Q.4 सत्कार्यवादं सविस्तरं लिखत।

MA (P) Code: PQRS Printed Page: 3

M. A (PREVIOUS) EXAMINATION, 2024

Library Copy

SANSKRIT

Paper – I (SKT- 401)

वैदिक साहित्य

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

Q.1 कठोपनिषद् किस वेद एवं शाखा से सम्बन्धित है?

Q.2 मृत्यवे त्वां ददामीति- यह किसने किसको कहा?

Q.3 प्रथम वर में यम से नचिकेता ने क्या माँगा?

Q.4 पृथ्वी की अष्टदिशाओं को किसने प्रकाशित किया?

Q.5 शिवसङ्कल्प सूक्त के देवता एवं ऋषि का नाम लिखें।

Q.6 पृथिवी सूक्त किस वेद से सम्बन्धित है?

Q.7 आवरीवः पद का अर्थ लिखिए।

Q.8 पद के चार भेदों के नाम बताइये।

Q.9 षड् भावविकार कौन-कौनसे हैं?

Q.10 निपातन किसे कहते हैं?

Q.11 पुरुष सूक्त का प्रथम मन्त्र लिखिए।

Q.12 सत्यं बृहदृतमुग्रं दीक्षा तपो ब्रह्म यज्ञः पृथिवीं धारयन्ति।

Q.13 उषस् सूक्त के ऋषि कौन हैं?

Q.14 शिवसंकल्पसूक्त से सम्बन्धित वेद एवं अध्याय बताइये।

Q.15 मण्डूक सूक्त किस वेद में स्थित है?

Part B

The candidate will have to solve any 5 questions out of 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) **(5 x 10 = 50)**

Q.1 यच्चिद्धि ते विशो यथा प्र देव वरुण व्रतम्।
मिनीमसि द्यविद्यवि॥ – मन्त्र का पदपाठ करें।

Q.2 एतावानस्य महिमातो ज्यायाँश्च पूरुषः।
पादोऽस्य विश्वा भूतानि त्रिपादस्यामृतं दिवि॥ – मन्त्र का पदपाठ करें।

Q.3 नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं नासीद्रजो नो व्योमा परो यत् ।
किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्नम्भः किमासीद्गहनं गभीरम् ॥ - सप्रसंग व्याख्या करें।

Q.4 नासदासीन्नो सदासीत्तदानीं नासीद्रजो नो व्योमा परो यत् ।
किमावरीवः कुह कस्य शर्मन्नम्भः किमासीद्गहनं गभीरम् ॥ - सप्रसंग व्याख्या करें।

Q.5 उषः प्रतीची भुवनानि विश्वोर्ध्वा तिष्ठस्यमृतस्य केतुः ।
समानमर्थं चरणीयमाना चक्रमिव नव्यस्या ववृत्स्व।।

Q.6 यत्प्रज्ञानमुत चेतो धृतिश्च यज्ज्योतिरिन्तरमृतं प्रजासु।
यस्मान्न ऋते किञ्चन कर्म क्रियते तन्मे मनः शिवसङ्कल्पमस्तु ॥ -सप्रसंग व्याख्या करें।

Q.7 तिस्रो रात्रीर्यदवात्सीगृहे मे
अनश्नन् ब्रह्मन्नतिथिर्नमस्यः।
नमस्तेऽस्तु ब्रह्मन् स्वस्ति मेऽस्तु
तस्मात् प्रति त्रीन् वरान् वृणीष्व ॥ -सप्रसंग व्याख्या करें।

Q.8 न नरेणावरेण प्रोक्त एष
सुविज्ञेयो बहुधा चिन्त्यमानः।
अनन्यप्रोक्ते गतिरत्र नास्ति
अणीयान् ह्यतर्क्यमणुप्रमाणात् ।।

Q.9 अथ निपाताः । उच्चावचेष्वर्थेषु निपतन्ति । अप्युपमार्थे । अपि कर्मोपसंग्रहार्थे । अपि पदपूरणाः । तेषामेते चत्वार उपमार्थे भवन्ति । इवेति भाषायां चान्वध्यायं च । 'अग्निरिव' । 'इन्द्र इव' इति । नेति प्रतिषेधार्थीयो भाषायाम् । उभयमन्वध्यायम् । 'नेन्द्रं देवममंसत' इति प्रतिषेधार्थीयः । पुरस्तादुपचारस्तस्य यत्प्रतिषेधति । 'दुर्मदासो न सुरायाम्' इत्युपमार्थीयः । उपरिष्टादुपचारस्तस्य येनोपमिमीते ।- सप्रसंग व्याख्या करें।

Q10 नूनं सा ते प्रति वरं जरित्रे, दुहीयदिन्द्र दक्षिणा मघोनी ।

शिक्षा स्तोतृभ्यो माति धग्भगो नो, बृहद्वदेम विदथे सुवीराः ।।- सप्रसंग व्याख्या करें।

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) (2 x 15 = 30)

Q.1 निरुक्त का सामान्य परिचय लिखिए।

Q.2 कठोपनिषद् के प्रथम अध्याय का सार लिखिए।

Q.3 रुद्र देवता के स्वरूप का प्रतिपादन करें।

Q.4 ऋग्वेद का भाषागत वैशिष्ट्य पर विस्तृत टिप्पणी लिखें।

M. A (FINAL) EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

SANSKRIT

Paper – V (SKT/505)

आधुनिक संस्कृत साहित्य

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 100**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

Q.1 'विवेकानन्दविजयम्' रचना रूपक की कौनसी विधा है व इसमें कितने अंक हैं?

Q.2 विवेकानन्दविजयम् के किन्हीं दो स्त्री पात्रों के नाम लिखिए।

Q.3 विवेकानन्दविजयम् के प्रथम अंक का नाम लिखिए।

Q.4 कथानकवल्ली के रचयिता का नाम लिखिए।

Q.5 कथानकवल्ली किस प्रकार की काव्यविधा है?

Q.6 कथानकवल्ली में आई किन्हीं दो लघुकथाओं के नाम लिखिए।

Q.7 मधुच्छन्दा के रचनाकार का नाम लिखिए।

Q.8 मधुच्छन्दा किस प्रकार की काव्यविधा है?

Q.9 मधुच्छन्दा के माङ्गल्य भाग में किनकी स्तुति की गई है?

Q.10 'पद्मिनी' के रचनाकार का नाम लिखिए।

Q.11 'पद्मिनी' काव्य की कौनसी विधा है?

Q.12 रानी पद्मिनी के पति का नाम लिखिए।

Q.13 पं. श्रीराम दवे की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

Q.14 पं.मधुसूदन ओझा की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

Q.15 डॉ. हरिराम आचार्य की किन्हीं दो रचनाओं के नाम लिखिए।

Part B

The candidate will have to solve any 5 questions out of 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) **(5 x 10 = 50)**

Q. 1 सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

हिमाद्रिः किं मयानीतः विन्ध्याद्रिर्वा विनामितः?

हनूमतेव तीर्णोऽब्धिः पीतोऽगस्त्यर्षिणेव वा॥

Q. 2 सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

सद्भावेन प्रदत्तं चेद् विषमप्यमृतायते।

विषायतेऽमृतं चापि दुष्टभावेन सर्वथा॥

Q. 3 सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

प्रलम्बायाः समुद्रयात्रायाः पर्यन्ते गन्तव्यस्थलं प्राप्य समग्राया यात्रायाः सिंहावलोकनं समीक्षणं वा सर्वे यात्रिणः कुर्वन्त्येव, किन्तु नाविका मध्येयात्रमपि तादृशं सिंहावलोकनं विदधति। मदीयाया जीवनयात्रायाः प्रायः पूर्वार्धोऽयं समाप्यते इत्यहमनुभवामि। अस्यां यात्रायां किं मया लब्धं, कि वा हारितं, किं सोढं, किं वितीर्णं, काऽसीन्मे जीवनयात्राया नौका, किमासीत्पाथेयं, सर्वमिदमद्य यदा विमृशामि, अपूर्वा काचन भावशबलता मामभिभवति। अनुवर्णयामि तां संस्कृतभाषयैव।

Q. 4 सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

सर्वमपीदं श्रुत्वा ममाश्चर्यं, खेदश्च भवतः स्म। एकाऽल्पीयसी आशंकापि समभूत्। यदि विवाहानन्तरं मदीयं दाम्पत्यमपि एवमेव स्यात् तर्हि किं भवेत्? अहं स्त्रीणां स्वातंत्र्यस्य पक्षपातिनी नास्मि किन्तु तदिदं विश्वसिमि यद् दम्पत्योः शिक्षा, वृत्तिः कर्म च समानमेव भवेद् येन द्वयोरेकतरोऽपि विषयविभेदं नानुभवेत्।

Q. 5 सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

जय जय हे भगवति सुरभारति! तव चरणौ प्रणमामः।

नाद-ब्रह्ममयि जय वागीश्वरि! शरणं ते गच्छामः।

शरणं त्वामनुयामः।

Q. 6 सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

भाति सुवर्णा ककुभाभरणा, सरसा मधुर-भाव-ललिता।

किं सा वनिता? नहि नहि कविता, कविवर-कालिदास-रचिता॥

Q. 7 सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

परोपकारप्रवणैः सुखापा पापात्मभिर्या पुरुषैरनापा।

पद्मापरा पावकदीप्तदेहा सा पद्मिनी पूरयतादभीष्टम्॥

Q. 8 सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

गुजरातप्रदेशलुण्टितविपुलस्वर्णरत्ननिचयोपलब्धिसन्तुष्टः सम्राडलाउद्दीनो नृपतिकर्णस्य राज्यै कमलायै राजप्रासादे परमसम्मानितपदं प्रदाय तया साकं विवाहमपि विहितवान्। यैस्तत्र विद्रोहः समाचरितस्तेषां पुत्रदारादिभिः साकं बर्बरतापूर्णो व्यवहारो विहितस्तेन। प्रचण्डदण्डविधानेनानेन सम्राजस्तस्यातङ्को वृद्धिङ्गतः।

Q. 9 भट्ट मथुरानाथ शास्त्री के कृतित्व पर एक लेख लिखिए।

Q. 10 पं. नित्यानन्द शास्त्री के कृतित्व पर एक लेख लिखिए।

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) **(2 x 15 = 30)**

Q. 1 विवेकानन्दविजयम् की कथावस्तु का सार लिखिए।

Q. 2 कथानकवल्ली की काव्यगत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Q. 3 'पद्मिनी' रचना के आधार पर रानी पद्मिनी का चरित्रचित्रण कीजिए।

Q. 4 देवर्षि कलानाथ शास्त्री के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर एक लेख लिखिए।

खड ब

MA (F) Code: PQRS Printed Page: 2

M. A (FINAL) EXAMINATION, 2024

SANSKRIT

LIBRARY COPY

Paper – IV (SKT/504)

काव्य (गद्य एवं पद्य)

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) **(10 x 2 = 20)**

इस खण्ड में कुल 15 प्रश्न हैं। इनमें से कुल 10 प्रश्न कीजिए, जिनका उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है। (10 x 2 = 20)

Q.1 दशकुमारचरितम् के अष्टम उच्छवास् का क्या नाम है ?

Q.2 कादम्बरी के नायक किस कोटि के नायक है ?

Q.3 दशकुमारचरितम् किसप्रकार का काव्य ग्रन्थ है?

Q.4 कुमारसंभवम् महाकाव्य में प्रमुख रस क्या है ?

Q.5 "वाणी बाणो बभूव ह" यह उक्ति बाणभट्ट को किसने कही?

Q.6 महाकाव्य के कोई दो लक्षण लिखिए?

Q.7 विक्रमांकदेवचरितम् महाकाव्य का मंगलाचरण किसप्रकार का है?

Q.8 मेघदूत ग्रन्थ पद्य की किस विधा का ग्रन्थ है?

Q.9 मेघदूत में मुख्य रस क्या है ?

Q.10 यक्ष श्राप के दिनों को किस पर्वत पर बिताता था?

Q.11 श्रीहर्ष के माता व पिता का क्या नाम था?

Q.12 विदर्भ देश के राजा कौन थे ?

Q.13 श्रीहर्ष की मुख्य शैली क्या है ?

Q.14 कुमारसंभवम् महाकाव्य के रचयिता कौन है?

Q.15 कुमारसंभवम् महाकाव्य में कुमार से किसको सम्बोधित किया गया है ?

Part B

'0)

The candidate will have to solve any 5 questions out of 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) (5 x 10 = 50)

इस खण्ड में कुल 10 प्रश्न हैं। इनमें से कुल 5 प्रश्न कीजिए, जिनका उत्तर 200 शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। (10 x 5 = 50)

Q.1 **अनन्यसामान्यगुणत्वमेव भवत्यनर्थाय महाकवीनाम्।**

ज्ञातुं यदेषां सुलभाः सभासु न जल्पमल्पप्रतिभाः क्षमन्ते।।

इस पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

Q.2 प्रथम सर्ग के अनुसार राजा विक्रमादित्य की वीरता का वर्णन कीजिए।

Q.3 कादम्बरी में वर्णित शूद्रक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

Q.4 **एतदाकर्ण्य स्थान एव गुरुभिरनुशिष्टम्। तथा क्रियत इत्यन्तः पुरमविशत्। तां च वार्ता पार्थिवेन प्रमदासंनिधौ प्रसङ्गेनोदीरितामुपनिशम्य समीपोप विष्टश्चित्तानुवृत्तिकुशलः।।**

प्रस्तुत पद्य का हिन्दी अनुवाद कीजिए ।

Q.5 नैषधीयचरितम् में हंस- विलाप का वर्णन कीजिए ।

Q.6 **तदोजसस्तद्यशसः स्थिताविमौ वृथेति चित्ते कुरुते यदा यदा ।**

तनोति भानोः परिवेषकैतवातवा विधिः कुण्डलनां विधोरपि।।

इस पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

Q.7 अलकापुरी के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए।

Q.8 **मन्दं मन्दं नुदति पवनश्चानुकूलो यथा त्वां, वामश्चायं नदति मधुरं चातकस्ते सगन्धः।**

गर्भाधानक्षणपरिचयान्नूनमाबद्धमालाः, सेविष्यन्ते नयनसुभगं खे भवन्तं बलाकाः।।

इस पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

Q.9 कुमारसंभवम् के नायक का चरित्र चित्रण कीजिए ।

Q.10 बाणभट्ट के कृतित्व व व्यक्तित्व का सविस्तार वर्णन कीजिए

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) (2 x 15 = 30)

इस खण्ड में कुल 4 प्रश्न हैं। इनमें से कुल 2 प्रश्न कीजिए, जिनका उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का है। (15 X 2 = 30)

Q.1 दशकुमारचरितम् के प्रकाश में महाकवि दण्डी की लेखन शैली का विवेचन कीजिए।

Q.2 मेघदूत में मेघ के मार्ग का वर्णन कीजिए ।

Q.3 विक्रमांकचरितम् के प्रथम सर्ग का सार लिखिए।

Q.4 नैषधीयचरितम् के अनुसार नल का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ACHARYA / MA EQUIVALENT (FINAL) EXAMINATION, 2024

SANSKRIT SAHITYA

Paper – IV (17009)

अर्वाचीन संस्कृत साहित्यम्

LIBRARY COPY

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 80

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

'खंड अ'

सर्वेषां दशप्रश्नानामुत्तरं ददातु। शब्दसीमा 50 (अंक 10 x 2=20)

1) पं. मधुसूदनओझामहाभागानाम् कासांचित् पंचकृतीनाम् नामानि लिखतु।

2) भट्टमथुरानाथशास्त्रीमहाभागानां जन्मस्थानं किं आसीत् ?

3) केषांचित् पंच आधुनिक कृतीनाम् तेषां च लेखकानाम् नामानि लिखतु।

4) पं. नारायण शास्त्री कांकरस्य संक्षिप्त परिचयं ददातु।

5) 'राष्ट्रवेद' नाम्नः वैदिक काव्यस्य प्रणेतारः को आसीत् ?

6) विद्याधरग्रंथावल्याः लेखकः को आसीत् ?

7) विद्याभूषणः पं. गणेशरामशर्मा कस्यविधायाः मुख्यतः लेखकः ?

8) 'श्री वासुदेवचरितं' नामकाव्यं केन लिखितम्।

9) डा. ब्रह्मानंदशर्मणः जन्मस्थानं लिखतु।

10) 'कलाशालिनी' नामस्य नूतनछंदसः समुद्भावकः कः अस्ति?

खंड ब

केषांचित् प्रश्नत्रयाणामूत्तरम् ददातु। शब्द सीमा 250 (अंकाः 3x10=30)

1) पं. मधुसूदनओझा महाभागानां व्यक्तित्वं प्रकाशयतु।

2) 'विद्याभूषण पं. गणेशरामशर्माणां व्यक्तित्वं कृतित्वम् च' - इति विषये लेखं लिखतु।

3) प्रो. राधावल्लभत्रिपाठी महाभागानाम् संस्कृते योगदानम् स्पष्टीकरोतु।

4) पं. अभिराजराजेंद्रमिश्र महाभागानां कृतिनां परिचयं ददातु।

5) प्रो. प्रभाकरशास्त्री महाभागानामुपरि लेखं लिखतु।

खंड स

कयोश्चित् द्वयो: प्रश्नयो: उत्तरम् ददातु। शब्द सीमा 300 (अंका: 2x15=30)

1) पं. मधुसूदन ओझा महाभागानाम् कृतित्वं संक्षेपेण प्रतिपादयतु।

2) 'पं. भट्टमथुरनाथशास्त्री महाभागानाम् संस्कृत काव्य परंपरायां योगदानम्' इति विषये लेखं लिखतु।

3)संस्कृतसाहित्योत्थाने पं. रामचंद्रद्विवेदी महाभागानां योगदानम् स्पष्टीकरोतु।

4) टिप्पणीं करोतु -

अ.) देवर्षि कलानाथ शास्त्री।

ब.) पं. अंबिकादत्त व्यास।

Q.13 नाट्यशास्त्र की रचना किसने की ? इसमें कितने अध्याय हैं ?

Q.14 भामह, दण्डी, वामन की काव्यशास्त्रीय रचनाओं का उल्लेख कीजिये।

Q.15 काव्यमीमांसा, ध्वन्यालोक, काव्यानुशासन और चन्द्रालोक के रचनाकारों का नामोल्लेख

Acharya (F) Code: PQRS Printed Page: 2

ACHARYA / MA EQUIVALENT (FINAL) EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

SANSKRIT SAHITYA

Paper – I (17006)

काव्यप्रकाशः (प्रथम दिवियौ उल्लासौ:)

Faculty of Ved and Vedang

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) **(10 x 2 = 20)**

Q.1 गुणीभूतव्यङ्ग्यस्य कति भेदाः सन्ति, कानि च तानि ?

Q.2 कामिनीकुचवत् किं गुणीभूतव्यङ्ग्यं चमत्करोति ?

Q.3 अदृष्टे दर्शनोत्कण्ठा दृष्टे विच्छेदभीरुता । नादृष्टेन न दृष्टेन भवता लभ्यते सुखम् ।।

इदं कस्य गुणीभूतव्यङ्गस्योदाहरणमस्ति ?

Q.4 अपदार्थोपि विशेषो वाक्यार्थः इति कस्य मतम् ?

Q.5 प्रकरणादिविशेषवशेन नियतसम्बन्धः अनियतसम्बन्धः सम्बद्धसम्बन्धश्च कः द्योत्यते ?

Q.6 मुख्यार्थबाधादिरहितविशेषसव्यपेक्षा का भवति ?

Q.7 पञ्चमोल[illegible]म् ?

Q.8 अर्थचित्रस्योदाहरणं लिखत ?

Q.9 दोषसामान्यलक्षणं लिखत ?

Q.10 आलिङ्गितस्तत्रभवान् सम्पराये जयश्रिया । आशीःपरम्परां वन्द्यां कर्णे कृत्वा कृपां कुरु।।

इदंषस्योदाहरणम् ?

Q.11 के दोषाः [illegible] भवन्ति ?

Q.12 ख्यातेऽर्थे निर्हेतुः किं भवति ?

Q.13 रसस्याङ्गिनो धर्माः के भवन्ति ?

Q.14 काव्यस्य [illegible] के भवन्ति ?

Q.15 माधुर्य कुत्र [illegible] भवति ?

Part B

The candidate will have to solve any 3 questions out of 5 questions. All question
equal marks. (word limit 150-200)

(3 x 10 = 30)

Q.1 शब्दार्थचित्रं यत्पूर्वं इत्यादिकारिकां प्रपूर्य व्याख्यां कुरुत .....?

Q.2 मुख्यार्थहतिर्दोषो कारिकां विलिख्य व्याख्यात ......?

Q.3 ये रसस्याङ्गिनो धर्मा कारिकां प्रपूर्य व्याख्यात ..... :?

Q.4 माधुर्ये कीदृशी घटना भवति, सोदाहरणं व्याख्यात ?

Q.5 प्रसादगुणं सोदाहरणं व्याख्यात ?

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300)

(2 x 15 = 30)

Q.1 गुणीभूतव्यङ्ग्यं सप्रभेदं सोदाहरणञ्च व्याख्यात ?

Q.2 पददोषान् सोदाहरणं व्याख्यात ?

Q.3 रसदोषान् सोदाहरणं व्याख्यात ?

Q.4 गुणभेदान् विवृणुत ?

M. A (FINAL) EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

SANSKRIT

Paper – II (SKT- 502)

काव्य शास्त्र परम्परा के प्रमुख ग्रन्थ और सम्प्रदाय

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve any 10 questions out of 15 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

Q.1 आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य के प्रयोजन लिखिये।

Q.2 काव्य प्रकाश में कितने उल्लास हैं ?

Q.3 काव्य प्रकाश के तृतीय उल्लास का नामोल्लेख कीजिये।

Q.4 उत्तम काव्य का लक्षण क्या है ?

Q.5 गुणीभूतव्यंग्यकाव्य के भेदों का नामोल्लेख कीजिये।

Q.6 आर्थी व्यंजना का स्वरूप लिखिये।

Q.7 आचार्य वामन द्वारा बताये गये गुणों का नामोल्लेख कीजिये।

Q.8 माधुर्य गुण का स्वरूप बताइये।

Q.9 लक्षणा के भेदों का उदाहरण सहित नामोल्लेख कीजिये।

Q.10 "वक्रोक्तिजीवितम्' के रचयिता कौन है ? इसमें कितने उन्मेष है ?

Q.11 कुन्तकाभिमत काव्य प्रयोजन क्या है ?

Q.12 मध्यम मार्ग का स्वरूप क्या है ?

Q.13 नाट्यशास्त्र की रचना किसने की ? इसमें कितने अध्याय हैं ?

Q.14 भामह, दण्डी, वामन की काव्यशास्त्रीय रचनाओं का उल्लेख कीजिये।

Q.15 काव्यमीमांसा, ध्वन्यालोक, काव्यानुशासन और चन्द्रालोक के रचनाकारों का नामोल्लेख कीजिये।

(5 x 10 = 50)

Part B

The candidate will have to solve any 3 questions out of 5 questions. All question... equal marks. (word limit 150-200)

(5 x 10 = 50)

Q.1 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

शक्तिर्निपुणता लोकशास्त्रकाव्याद्यवेक्षणात्।
काव्यज्ञशिक्षयाभ्यास इति हेतुस्तदुद्भवे।।

अथवा

मुख्यार्थबाधे तद्योगे रूढितोऽथ प्रयोजनात्।
अन्योऽर्थो लक्ष्यते यत् सा लक्षणारोपिता क्रिया।।

Q.2 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

व्यक्तः स तैर्विभावाद्यैः स्थायी भावो रसः स्मृतः।

अथवा

श्रृंगारहास्यकरुणरौद्रवीरभयानकाः।
बीभत्साद्भुतसंज्ञौ चेत्यष्टौ नाट्ये रसाः स्मृताः।।

Q.3 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

मुख्यार्थहतिर्दोषो रसश्च मुख्यस्तदाश्रयाद् वाच्यः।
उभयोपयोगिनः स्युः शब्दाद्यास्तेन तेष्वपि सः।।

अथवा

उपकुर्वन्ति तं सन्तं येऽङ्गद्वारेण जातुचित्।
हारादिवदलंकारास्तेऽनुप्रासोपमादयः।।

Q.4 सप्रसंग व्याख्या कीजिये–

शब्दार्थौ सहितौ वक्रकविव्यापारशालिनि।
बन्धे व्यवस्थितौ काव्यं तद्विदाह्लादकारिणि।।

अथवा

रूपकादिरलंकारस्तथान्यैर्बहुधोदितः।
न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनितानानम्।।

Q.5 साहित्य दर्पण के रचयिता का संक्षिप्त परिचय देते हुए ग्रन्थ की विषयवस्तु का वर्णन कीजिये।

अथवा

आचार्य आनन्दवर्धन एवं उनकी काव्यशास्त्रीय रचना का परिचय प्रस्तुत कीजिये।

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) **(2 x 15 = 30)**

Q.1 आचार्य मम्मट के अनुसार गुणांलकार भेद निरूपण करते हुए त्रिविध गुणों का वर्णन कीजिये।

अथवा

काव्यप्रकाश के अनुसार काव्य के दोषों का निरूपण कीजिये।

Q.2 कविव्यापारवक्रता का वर्णन कीजिये।

अथवा

रीति सम्प्रदाय का विवेचन कीजिये।

MA (F) Code: PQRS Printed Page: 2

M. A (FINAL) EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

SANSKRIT

Paper – III (SKT/503)

नाटक एवं नाट्यशास्त्र

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part A

The candidate will have to solve 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 50) (10 x 2 = 20)

Q.1 उत्तररामचरित नाटक के प्रथम अंक का नाम लिखें।

Q.2 "पदवाक्यप्रमाणज्ञो भवभूतिर्नाम जतुकर्णीपुत्रः" इसमें रेखांकित अंश से संबंधित शास्त्रों के नाम लिखें।

Q.3 पुटपाकप्रतीकाशो .... करुणो रसः। रिक्त स्थान की पूर्ति करें।

Q.4 इतिहासं पुराण च धर्मवचनानि च।

भवन्त एव जानन्ति रघूणां च कुलस्थितिम् ।।यहां लिखित पद भवन्तःसे किसे संबोधित किया गया है।

Q.5 "मृच्छकटिकम्" नाटक के लेखक का नाम लिखिए।

Q.6 "स्वैर्दोषैर्भवति हि शङ्कितो मनुष्यः" मृच्छकटिक में किसके द्वारा यह कहा गया है ।

Q.7 दशरूपक किसमें विभक्त है।

Q.8 दशरूपककेअनुसारअर्थप्रकृतियाँकितनी होती है? नाम सहित निर्देश करें ।

Q.9 संस्कृत साहित्य के किन्हीं दो प्रसिद्ध नाटकों तथाउनके लेखकों का नाम लिखें ।

Q.10 दशरूपक के अनुसार नृत्त का लक्षण लिखिए।

Part B

The candidate will have to solve any 5 questions out of 10 questions. All question carry equal marks. (word limit 150-200) (5 x 10 = 50)

Q.1 अधोलिखित पद्यों में किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करें।

विश्वम्भरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजापतिसमो जनकः पिता ते।
तेषां वधूस्त्वमसि नन्दिनि! पार्थिवानां
येषां कुलेषु सविता च गुरूर्वयं च।।

अथवा

किसलयमिव मुग्धं बन्धनाद्विप्रलूनं

हृदयकमलशोषी दारुणो दीर्घशोकः।

ग्लपयति परिपाण्डु क्षाममस्याः शरीरं

शरदिज इव घर्मः केतकीगर्भपत्रम्।

Q.2 निम्नलिखित में से किसी एक पद्य की संदर्भ सहित संस्कृत में व्याख्या करें।

हृदिनित्यानुषक्तेनसीताशोकेनतप्यते ।

अन्तःप्रसुप्त - दहनःजरन्‌इववनस्पतिः।।

अथवा

ब्रह्मादयो ब्रह्महिताय तप्त्वापरःसहस्राः शरदस्तपांसि । .

एतान्यपश्यन्गुरवः पुराणाः. स्वान्येव तेजांसि तपोमयानि ।।

Q.3 निम्नांकित श्लोकों में से किसी एक की ससंदर्भ व्याख्या करें।

खं हि दुःखान्यनुभूय शोभते घनान्धकारेष्विव दीपदर्शनम्।

सुखात्तु याति नरो दरिद्रतां धृतः शरीरेण मृतः स जीवति ।

अथवा

यदि कुप्यसि नास्ति रतिः कोपेन विनाऽथवा कुतः कामः ।

कुप्य च कोपय च त्वं प्रसीद च त्वं प्रसादय च कांतम्।।

Q.4 निम्नलिखित में से किसी एक कारिका की व्याख्या करें।

अवस्था पंचकार्यस्य प्रारब्धस्य फलार्थिभिः । :

आरम्भयत्नप्रात्याशानियताप्तिफलागमाः।

अथवा

भेदैश्चतुर्धा ललितशान्तोदात्तोद्धतैरयम्।।

Q.5 अधोलिखित में से किसी एक नाटककासारांशलिखें

I. उत्तररामचरित्तम् अथवा II. अभिज्ञानशाकुन्तलम्

Part C

The candidate will have to solve any 2 questions out of 4 questions. All question carry equal marks. (word limit 300) **(2 x 15 = 30)**

Q.1 उत्तररामचरित में वर्णित राम का चरित्र चित्रण लिखें। अथवा

"उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विविष्यते" इस कथन का आशय लिखते हुए,भवभूति कीनाट्य शैली प्रतिपादित करें।

Q.2 विभावनुभावव्यभिचारिसंयोद्रसनिष्पतिः का अर्थ लिखते हुए अभिनवगुप्त के अनुसार रससूत्र की व्याख्या करें ।

अथवा

दशरूपककेअनुसाररूपक का लक्षण लिखते हुए रूपककेभेदोंकावर्णनकरें।

M. A (F) Code: PQRS Printed Page: 3

M. A (FINAL) EXAMINATION, 2024

SANSKRIT

Paper – I (SKT/501)

काव्य संस्कृतमूलक, संस्कृति एवं निबंध

Faculty of Indian Philosophy

LIBRARY COPY

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE parts.

Part A

In this section TEN questions are to be set taking at least two questions from each Unit. (i.e. from Unit I to V) Each question will be of short answer type not exceeding 50 words. The candidate required to attempt all questions. each question are equal marks (i.e 10 X 2= 20)

अतिलघूत्तरात्मकं प्रश्नानि

(i) केन यवनशासकेन सोमतीर्थस्य ध्वंसम् कृतम्?

(ii) 'शिवराजविजयः' गद्यकाव्यस्य कस्याः नवीनविधायाः उदाहरणमस्ति?

(iii) 'शिवराजविजयः' गद्यकाव्ये कवि विरामाः सन्ति?

(iv) शिषुपालवधमहाकाव्यस्य द्वितीयसर्गस्य किं नाम वर्तते?

(v) श्रीकृष्णः किमर्थमाकुलः आसीत्?

(vi) पुरुषार्थचतुष्टयं नामानि देयानि?

(vii) भारतीयसंस्कृते विवाहस्य अष्टभेदानाम् नामानि लेखनीयानि?

(viii) शिशुपालवधमहाकाव्ये कति सर्गाः सन्ति?

(ix) कालिदासस्य कति नाटकानि सन्ति? नामानि देयानि?

(x) कतिसंख्यकाः संस्काराः? कानि च तेषां नामानि?

Part B

In this section FIVE questions are to be set taking atleast one question from each Unit. (i.e. from Unit I to V... candidate will required to attempt any '5 questions out of 10 questions. The answer of each will not exc... 250 words. each qiestion are equal marks (i.e. 5 X 10 = 50)

5×10=50

1. अधोलिखित गद्यांशस्य सप्रसंग व्याख्या करणीया–

महात्मन् क्वाधुना विक्रमराज्यम्? वीरविक्रमस्य तु भारतभुवं विरहय्य गतस्य वर्षाणां सप्तदश शतकानि व्यतीतानि। क्वाधुना मन्दिरे मन्दिरे जयजय–ध्वनि? क्व संप्रति तीर्थे तीर्थे घण्टानादः? क्वाद्यापि मठे मठे वेदघोषः? अद्य हि वेदा विच्छिद्य वीथीषु विक्षिप्यन्ते, धर्मशास्त्राण्युद्धूय धूमध्वजेषु ध्मायन्ते, पुराणानि पिष्ट्वा पानीयेषु पात्यन्ते, भाष्याणि भ्रंशयित्वा भ्राष्ट्रेषुभर्ज्यन्ते, "क्वचिन्मन्दिराणि भिद्यन्ते, क्वचितुलसीवनानि छिद्यन्ते, क्वचिद्दारा अपह्रियन्ते, क्वचिद्धनानिलुण्ठयन्ते, क्वचिदार्तनादाः क्वचिद् रुधिरधाराः, क्वचिदग्निदाहः, क्वचिद् गृहनिपातः" इत्येव श्रूयतेऽवलोक्यते च परितः।।

2. अधोलिखित गद्यांशस्य सप्रसंग व्याख्या करणीया

दक्षिणदेशो हि पर्वतबहुलोऽस्ति अरण्यानीसङ्कुलश्चास्तीति चिरोद्योगेनापि नायमशकन्महाराष्ट्रेसरिणो हस्तयितुम्। साम्प्रतमस्यैवाऽऽत्मीयो दक्षिणदेश–शासकत्वेन 'शास्तिखान' नामा प्रेष्यत इति श्रूयते महाराष्ट्रदेशरत्नं, यवन–शोणित–पिपासाऽऽकुलकृपाणः, वीरता सीमन्तिनी–सीमन्त–सुन्दर–सान्द्र–सिन्दूर–दान–देदीप्यमान–दोर्दण्डः, मुकुटमणिर्महाराष्ट्राणाम्, भूषणं भटानाम् निधिर्नीतीनाम्, कुलभवनं कौशलानाम् पारावारः परमोत्साहानाम्, कश्चन प्रातः स्मरणीयः, स्वधर्माऽऽग्रह–ग्रह–ग्रहिलः, शिव इव धृतावतारः शिववीरश्चास्मिन् पुण्यनगरान्नेदीयस्येव सिंहदुर्गे ससेनो निवसति।

3. निम्नलिखितस्य पद्यस्य सप्रसंग व्याख्या करणीया–

यावदर्थपदां वाचमेवमादाय माधवः।
विरराम महीयांसः प्रकृत्या मितभाषिणः।।

4. निम्नलिखित पद्यस्य व्याख्या कार्या–

वृहत्सहायः कार्यान्तं क्षोदीयानपि गच्छति।
सम्भूयाम्भोधिमभ्येति महानद्या नगापगा।।

5. रामायणकालीनसामाजिकसंस्कृतिमधिकृत्य विशदविवेचना प्रस्तूयताम्।

6. ऋग्वेदकालीन अर्थव्यवस्थायां विशदं विवेचयत्।

7. अधोलिखितेषु विषयेषु एकमधिकृत्य संस्कृतभाषामाध्यमेन निबन्धं विलिख्यताम्।
   (i) संस्कृतभाषायाः महत्वम्
   (ii) भारतीयसंस्कृतेः संस्काराणाम् महत्वम्

8. अधोलिखितेषु विषयेषु एकमधिकृत्य संस्कृतभाषायामां निबन्धं विलिख्यताम
   (i) वेदोऽखिलम् धर्ममूलम् (ii) उपमा कालिदासस्य

9. शिशुपालवधमहाकाव्यस्य काव्यशिल्पं विवेच्यताम्।

10. 'उत्तररामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' उक्तिः विवेच्यताम्।

Part C

In this section FOUR questions are to be set taking atleast one question from each Unit (i.e. from Unit I to V). Each question may have sub part in it. The candidate will be required to attempt any TWO questions out of ~~three~~ 4 questions. The answer of each question will not exceed 300 words. each question are equal marks (i.e 2 X 15 = 30)

1. शिवराजविजयस्याधारे गौरसिंहस्य चरित्र–चित्रणं करणीयम्।

2. शिवराजविजयमधिकृत्य अम्बिकादत्तव्यासस्य भाषा–शैली विवेच्यताम्।

3. शिशुपालवधमहाकाव्य द्वितीयसर्गमवलम्बय महाकविमाघस्य कलाकौशलं विस्तरशः प्रतिपादयंत्।

4. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' इत्येषा उक्तिः सोदाहरणविवेचनीया।

M. A (PREVIOUS) EXAMINATION, 2024

LIBRARY COPY

SANSKRIT

Paper – IV (SKT- 404)

भाषा विज्ञान, व्याकरण एवं अनुवाद

Faculty of Indian Philosophy

Time Allowed : 3 Hours Maximum Marks : 100

Note – Each paper will be divided into THREE Parts.

Part-A

In this section TEN question are to be set taking at least two question from each Unit. (i.e. from Unit I to V) Each question will be of short answer type not exceeding 50 words. The candidate required to attempt all questions. each question are equal marks

(i.e 10x2=20)

1. भाषा की लघुतम स्वतंत्र इकाई को क्या कहते हैं?
2. ध्वनि परिवर्तन के किन्हीं तीन दिशाओं का नाम उल्लेख कीजिए ?

3.धृ धातु के योग में उत्तमर्ण में कौन सा समास होता है ?

4.आख्यातोपयोगे सूत्र से कौन सी विभक्ति होती है ?

5. वैनतेय पद में प्रकृति प्रत्यय बताइए ?

6.बंधुता पद में प्रत्यय बताइए ?

7. अतिहिमम् पद का सामासिक विग्रह करते हुए समाज का नाम बताइए ?

8.शूद्रौ पद में कौन सा समास है?

9. गंगा हिमालय से निकलती है । वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए ।

10.नदियों में गंगा पवित्रम है । वाक्य का संस्कृत में अनुवाद कीजिए ।

Part-B

In this section TEN question are to be set taking one question from each Unit. (i.e. from Unit I to V). The candidate required to attempt any FIVE questions out of Ten (10) questions. The answer of each will not exceed 200 words. each question are equal marks

(i.e 5x10=50)

1. भारतीय भाषा परिवार की विशेषताएं बताते हुए इसकी शाखा प्रशाखाओं का वर्णन कीजिए ?

अथवा

ध्वनि परिवर्तन के प्रमुख नियमों का वर्णन कीजिए?

LIBRARY COPY

2. निम्नांकित में से किन्ही दो सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए –

1.अकथितं च 2.धारेरुत्तमर्ण 3.आख्यातोपयोगे 4.यतश्च निर्धारणम्

3. निम्नांकित में से किन्हीं दो पदों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए –

1. शैव 2. वार्षिक 3. शिशुत्व् 4. दण्डिन

4. निम्नलिखित में से किन्ही दो सामाजिक पदों का सूत्र निर्देश पूर्वक सिद्ध कीजिए–

1. यथाशक्ति 2. युपदारुः 3. अहिनकुलम् 4. दीर्घसक्थी

5. निम्नांकित गद्यांश का संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

रात्रि समाप्त हुई, प्रभात का रमणीय दृश्य दृष्टिगोचर होने लगा । तारागण जो रात्रि के अंधेरे में चमक– दमक दिखा रहे थे अपने प्रकाश को फीका देखकर धीरे–धीरे लुप्त हो गए । पूर्व दिशा में लालिमा प्रकट हुई मानै प्रेमी सुबह ने प्रेमिका रात्रि के श्याह बिखरे बालों को मुख से समेट लिया और उसका उज्जवल मस्तक दिखने लगा । प्रातः काल की वायु, युवकों की तरह अठखेलियां करती हुई चली । पक्षियों ने चहचहाना प्रारंभ किया उद्यान में कलिकाएं खिलने लगी जैसे नींद में कोई नेत्र खोले ।

Part-C

In this section FOUR question are to be set taking one question from each Unit. (i.e. from Unit I to V). Each question may have sub part in it. The candidate will be required to attempt any TWO questions out of THREE (3) questions. The answer of each will not exceed 300 words. each question are equal marks **(i.e 2x15=30)**

1. भाषा की परिभाषा देते हुए भाषा की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

अथवा

वैदिक एवं लौकिक संस्कृत की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

2. निम्नांकित में से किन्ही दो सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए –

1. साधकतमम् करणम् । 2. स्पृहेरिप्सितः 3. जनिकर्तुः प्रकृतिः 4. यस्यः च भावेश भाव लक्षणम्

3. निम्नलिखित में से किन्ही दो सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए –

1. शिवादिभ्योऽण 2. ठस्येकः 3. चार्थे द्वन्द्व 4. समानाधिकरण तत्पुरुषः कर्मधारयः